



MoEFCC ने स्वायत्त नकियों के वलिय का फैसला वापस लललल

प्रललललस के लललल:

भारतीय वन सरवेक्षण, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकलरण, [वनयजीव अपराध नयलतरण बयुरो](#), [केंद्रीय चडडललघर प्राधकलरण](#), [प्रोजेकट टाइगर](#), [प्रोजेकट एलीफेंट](#), वनयजीव (संरक्षण) अधनलनलम, 1972

मेन्स के लललल:

पर्यावरण संरक्षण संगठन और संबंघतल चतललँ

चरचा में कयों?

हाल ही में [पर्यावरण, वन और जलवायु परवलरतन मंत्रालय](#) (Ministry of Environment, Forests and Climate Change- MoEFCC) ने प्रमुख पर्यावरण नकियों के वलिय दवारा [एकीकृत कषेत्रीय कार्यालय](#) की स्थापना के फैसले को वापस ले लललल है ।

MoEFCC का प्रारंभकल प्रस्ताव:

■ प्रस्ताव:

- इस कदम का लक्ष्य एकीकृत अधकलर के माध्यम से इन संगठनों का [सुव्यवस्थतल संचालन करना](#) था ।
- कोवडल-19 लॉकडाउन के दौरान घषतल प्रारंभकल योजना का उद्देश्य भारतीय वन सरवेक्षण, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकलरण, [वनयजीव अपराध नयलतरण बयुरो](#) और [केंद्रीय चडडललघर प्राधकलरण](#) को एक एकीकृत संरचना के तहत पुनर्र्गठतल करना था ।

■ आलोचना:

- यह इन नकियों (जनकी पर्यावरण प्रशासन में अलग-अलग जनादेश और भूमकललँ हैं) की स्वतंत्रता और अधकलर को कमजोर कर सकतल है ।
- चूँकल इन नकियों की रपलरटगल संरचनालँ और कषेत्राधकलर अलग-अलग हैं, ऐसे में इस कदम से प्रशासनकल भ्रंंतयलँ और अव्यवस्था उत्पन्न हो सकतल है ।
- इससे उनके काम की गुणवत्ता और वशल्वसनीयता से समझौता कयल जा सकतल है, कयोंकल वे MoEFCC के राजनीतकल हस्तक्षेप और दबाव के अधीन होंगे ।
- यह इन नकियों के फोकस कषेत्र और वशलषज्जता को कमजोर कर देगा, जनके अपने संबंघतल कषेत्रों में वशलष कार्य और कौशल हैं ।

■ नरलणय में परवलरतन:

- MoEFCC की हालललल अधसूचना ने न केवल वललल योजना को रद्द कर दयल बल्कल मौजूदा कषेत्रीय कार्यालयों को पुनर्र्व्यवस्थतल करने का सुझाव दयल, जसके कारण इस योजना को आलोचना का भी सामना करना पड रहा है ।
 - उदाहरण के लललल बंगलूर कषेत्रीय कार्यालय के पास अलग-अलग भौगोलकल और पर्यावरणीय स्थतलललले तीन राज्यों तथा एक केंद्रशासतल प्रदेश [कर्नाटक](#), [केरल](#), [गोवा](#) एवं [लक्षद्वीप](#) का अधकलर कषेत्र होगा ।
 - [प्रोजेकट टाइगर](#) और [प्रोजेकट एलीफेंट](#) के वललल की हालललल योजना को लेकर भी चतल व्यक्त की गई, जो इन पहलों की स्वायत्तता और महत्त्व को प्रभावतल कर सकतल है ।

■ भारतीय वन सरवेक्षण (FSI):

- यह एक सरकारी एजेंसी है जसकी ज़मिमेदारी वन सरवेक्षण, मूल्यांकन और संबंघतल अनुसंधान करना है ।
- FSI ने "वन संसाधनों का नवलश प्रूरव सरवेक्षण" (PISFR) का स्थान लललल है, जो [FAO](#) और [UNDP](#) की सहायता से वर्ष 1965 में भारत सरकार दवारा शुरू की गई एक पहल थी ।
 - [भारत राज्य वन रपलरट \(ISFR\)](#) FSI का दवलरषकल प्रकाशन है ।

■ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकलरण:

- यह [टाइगर टास्क फोरस](#) की सफलरशल के बाद दसंबर 2005 में [वनयजीव \(संरक्षण\) अधनलनलम, 1972](#) के तहत स्थापतल एक वैधानकल नकलय है ।

- यह प्रोजेक्ट टाइगर और भारत के [टाइगर रज़िर्व](#) के प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री NTCA का अध्यक्ष है और राज्य पर्यावरण मंत्री इसका उपाध्यक्ष है।
- **वन्यजीव अपराध नयित्रण ब्यूरो (Wildlife Crime Control Bureau):**
 - यह देश में संगठित वन्यजीव अपराध से नपिटने हेतु स्थापित एक वैधानिक बहु-वर्षिक निकाय (WPA 1972) है।
 - ब्यूरो का मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले वन्यजीव अपराधों, प्रासंगिक नीतियों और कानूनों से संबंधित मुद्दों पर भारत सरकार को सलाह देता है।
 - इसके अतिरिक्त यह EXIM नीति, CITES और वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम (Wild Life Protection Act) द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार वनस्पतियों एवं जीवों की खेप के नरीक्षण के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों का समर्थन और परामर्श देता है।
- **केंद्रीय चड़ियाघर प्राधिकरण:**
 - यह भारत में चड़ियाघरों के कामकाज के वनियमन तथा नगरानी करने और इसके द्वारा निर्धारित मानकों एवं मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिये एक वैधानिक निकाय (WPA 1972) भी है।
 - मान्यता प्रदान करने के प्राथमिक कार्य के अलावा CZA चड़ियाघरों के बीच वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम [Wildlife (Protection) Act], 1972 की अनुसूची- I और II के तहत सूचीबद्ध लुप्तप्राय श्रेणी के जानवरों के आदान-प्रदान को भी नयित्तरति करता है।
 - पर्यावरण मंत्री (Environment Minister) CZA का अध्यक्ष है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्त्रों में “क्रांतिकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)” के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्त्र कसिके पास है? (2020)

- कॉर्बेट
- रणथम्बौर
- नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
- सुंदरबन

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. "वभिन्नि प्रतयोगी क्षेत्त्रों और साझेदारों के मध्य नीतगित वरीधाभासों के परणामस्वरूप पर्यावरण के 'संरक्षण तथा उसके नमिनीकरण की रोकथाम' अपर्याप्त रही है।" सुसंगत उदाहरणों सहति टपिपणी कीजयि। (2018)

स्रोत: द हट्टि